समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

सैम पित्रोदा फिर विवादों मे: पाकिस्तान जाने और विदेश नीति पर सलाह देने को लेकर चर्चा

Publisher

Published on 19 Sep 2025

भारत के वरिष्ठ सलाहकार और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ **सैम पित्रोदा** फिर विवादों में हैं। इस बार उनका विवाद **पाकिस्तान दौरे और विदेश नीति पर सलाह** देने के कारण उभरा है। उन्होंने हाल ही में बयान दिया कि पाकिस्तान में रहते हुए उन्हें घर जैसा महसूस हुआ। इसके बाद उनके विदेश नीति संबंधी सुझावों को लेकर राजनीतिक और मीडिया में चर्चा शुरू हो गई।

पाकिस्तान यात्रा और बयान

सैम पित्रोदा ने अपनी हालिया पाकिस्तान यात्रा का विवरण साझा करते हुए कहा कि उन्हें वहां रहते हुए भारत की तरह ही सहजता और अपनापन महसूस हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में सुधार की दिशा में कदम उठाना आवश्यक है।

हालांकि, उनके इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। कई विपक्षी नेताओं ने इसे **राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के दृष्टिकोण से** आलोचना का विषय बना दिया।

विदेश नीति पर सलाह

सैम पित्रोदा ने मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि उन्हें भारत की विदेश नीति में सुधार के लिए सलाह देने का अवसर मिला। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को पाकिस्तान और अन्य पड़ोसी देशों के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए।

विशेषज्ञों के अनुसार, पित्रोदा का यह दृष्टिकोण अधिक **डिप्लोमैटिक और संवाद-आधारित** है। हालांकि, कई राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे संवेदनशील समय में अनुचित बताया।

राजनीतिक विवाद और प्रतिक्रिया

उनके बयान के बाद राजनीतिक दलों और मीडिया में बहस शुरू हो गई। विपक्षी नेताओं ने इसे भारत की विदेश नीति और सुरक्षा पर सवाल उठाने वाला कदम बताया।

कुछ नेताओं ने कहा, "सैम पित्रोदा का यह बयान देश की सुरक्षा और संवेदनशील क्षेत्रीय मामलों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।" वहीं समर्थक मानते हैं कि पित्रोदा जैसे वरिष्ठ सलाहकार का दृष्टिकोण संवाद और रिश्तों को बेहतर बनाने की दिशा में है।

पित्रोदा का दृष्टिकोण

सैम पित्रोदा ने स्पष्ट किया कि उनका मकसद भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करना नहीं है। उन्होंने कहा, "मेरा उद्देश्य केवल सकारात्मक संवाद और रिश्तों को बेहतर बनाने का है। मैंने कभी भी देशहित के खिलाफ कोई सलाह नहीं दी।"

विशेषज्ञों के अनुसार, पित्रोदा की यह सोच भारत-पाकिस्तान संबंधों में लंबी अवधि की स्थिरता और सहयोग के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

मीडिया और जनता की प्रतिक्रिया

मीडिया में पित्रोदा के बयान पर विविध प्रतिक्रियाएँ आईं। कुछ ने इसे साहसिक और संवाद-आधारित क़दम बताया, जबकि कुछ ने इसे संवेदनशील क्षेत्र में विवादास्पद कदम करार दिया।

जनता के बीच भी इस बयान को लेकर अलग-अलग राय हैं। कुछ लोग मानते हैं कि पित्रोदा जैसे वरिष्ठ विशेषज्ञ के सुझाव देश के लिए लाभकारी हो सकते हैं, जबकि अन्य इसे अनुचित मानते हैं।

सैम पित्रोदा का यह बयान और पाकिस्तान यात्रा फिर से उन्हें विवादों में ला दी है। विदेश नीति पर उनके सुझाव और बयान ने राजनीतिक, मीडिया और जनता के बीच बहस शुरू कर दी है।

हालांकि पित्रोदा ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल **संवाद और रिश्तों को बेहतर बनाना** है, इस मुद्दे ने भारत की राजनीतिक और सुरक्षा चर्चा को फिर से उभारा है।

यह मामला यह दिखाता है कि वरिष्ठ सलाहकारों की राय और सुझाव कभी-कभी विवाद का कारण बन सकते हैं। पित्रोदा के दृष्टिकोण को समझना और देश की सुरक्षा और विदेश नीति के साथ संतुलित रखना अब एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय बन गया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.